Industrial Policy of 1956 :-

30 अप्रैल, 1956 ई० को घोषित औद्योगिक नीति की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं :-

1. उद्योगों का वर्गीकरण :→ इस नीति में उद्योगों को तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया :-

(i) राज्य का एकाधिकार क्षेत्र :→ अनुसूची 'A' में 17 उद्योग सम्मिलित किए गए जिनके भावी विकास का पूर्ण दायित्व राज्य पर होगा। इस श्रेणी में सम्मिलित होने वाले उद्योगों में प्रतिरक्षा उद्योग, अणुशक्ति, लोहा एवं इस्पात, भारी इलाएट तथा मशीनरी, कोयला, खनिज तेल, रेल यातायात, हवाई जहाज व पानी के जहाजों का निर्माण आदि।

(ii) वे उद्योग जिन्हें प्रगतिशील ढंग से राज्य के स्वामित्व में लाया जाएगा :→ अनुसूची 'B' में 12 उद्योग सम्मिलित किए गए हैं जिनमें एल्युमिनियम, मशीन व औजार, रासायनिक उर्वरक, खनिज, रबड़, रासायनिक लुगदी, सड़क व सामुद्री यातायात आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

(iii) निजी क्षेत्र :→ शेष उद्योगों को निजी क्षेत्र के लिए छोड़ दिया गया है।

Scanned with CamScanner

2. कुटीर एवं लघु उद्योग :→ की 1956 की औद्योगिक नीति में कुटीर एवं लघु उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया। इन उद्योगों द्वारा तत्काल बड़ी मात्रा में रोजगार के नये अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं, राष्ट्रीय आय का समान वितरण किया जा सकता है।

3. क्षेत्रीय विषमताओं को कम करना :→

इन उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के बीच विषमताओं को समाप्त किया जाएगा। औद्योगिकरण की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए सरकार देश की सभी आधारभूत सुविधाओं का समुचित विकास करेगी।

4. तकनीक एवं प्रबन्धकीय कुशलता :→

औद्योगिक विकास के लिए देश में अधिक मात्रा में तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सेवाओं के विकास की आवश्यकता होगी इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 1956 की औद्योगिक नीति में तकनीकी एवं प्रबन्धकीय अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

Scanned with CamScanner

5. औद्योगिक शान्ति :→ इस बात पर बल दिया गया कि बिना औद्योगिक शान्ति के औद्योगिक विकास कठिन है। समाजवादी सिद्धान्तों पर आधारित प्रजातान्त्रिक अर्थव्यवस्था में श्रमिक विकास कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लेता है। श्रमिकों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देने और उनकी कार्य दशाओं में सुधार हेतु व्यवस्था की गई है।

6. विदेशी पूँजी :→ विदेशी पूँजी के सम्बन्ध में प्रचलित विद्यमान नीति को जारी रखा जाएगा।

औद्योगिक नीति, 1948 व 1956 की तुलना

औद्योगिक नीति, 1956. औद्योगिक नीति, 1948 ई० से निम्नलिखित बातों में भिन्न है। :→

(i) नये प्रस्ताव में सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पर अधिक बल दिया गया है।

(ii) नये नीति में राष्ट्रीयकरण के भय की आशंका नहीं है। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र को विकसित होने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

(iii) सरकार ने निजी क्षेत्र को वित्त, शक्ति और यातायात आदि के सम्बन्ध में सहायता देने

Scanned with CamScanner

का आश्वासन दिया।

(iv) नई औद्योगिक नीति में न केवल दूसरी और तीसरी पंचवर्षीय योजनाओं में औद्योगिक विकास के लिए आधार प्रस्तुत किया है। अपितु देश के भावी औद्योगिक विकास के लिए नीति का निर्धारण किया है।

आलोचना :-

1956 ई० की औद्योगिक नीति आलोचनाओं से मुक्त नहीं है। इस नीति में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए कोई नए प्रोत्साहन नहीं दिए। आलोचकों का मत है कि समाजवादी समाज की स्थापना के उद्देश्य को उस स्थिति में अधिक अच्छी तरह प्राप्त किया जा सकेगा जबकि आधार भूत और प्रमुख उद्योगों को निजी क्षेत्र में स्थापित होने का अवसर दिया जाए।

धन्यवाद